भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

(आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2918

12 माच, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वादक पाण्डुर्लिपयां को उपलब्धता

2918. श्री ई.टी. मोहम्मद बशीर:

क्या आयुवद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने का कृपा करगे किः

(क) क्या सरकार ने प्राचीन आयुवद का पुस्तकों/मैनुअलों के संग्रह और संरक्षण के लिए कोई उपाय किए ह;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण ह?

उत्तर

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
और आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय के
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का अतिरिक्त प्रभार (श्री किरेन रीजीजू)

(क) और (ख): आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय आयुवद संस्थान (एनआईए), जयपुर को आयुवद पांडुर्लिप-विज्ञान के लिए नोडल एजसी घोषित किया है। पांडुर्लिपयां और दुलभ पुस्तकों के डिजिटाइज़ेशन के लिए संस्थान म एक पाण्डुर्लिप एकक स्थापित किया गया है।

केंद्रीय आयुवदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने आयुष मंत्रालय का केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत पाठ्य पुस्तकों और पाण्डुर्लिपयां के अधिग्रहण, सूचीकरण, डिजिटाइज़ेशन और प्रकाशन के भाग के रूप म विभिन्न परियोजनाएं शुरू की ह। डिजिटीकृत पांडुर्लिपयां का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

i. "पूर्वी भारत (उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और बिहार) की चिकित्सा पांडुर्लिपयां का सवक्षण, सूचीकरण और डिजिटीकृत सूची" शीषक परियोजना के तहत 1679 पांडुर्लिपयां/दुलभ पुस्तकों को डिजिटीकृत किया गया है।

ii. "पूर्वोत्तर भारत की चिकित्सा पांडुर्लिपयां का सवक्षण, सूचीकरण और डिजिटीकृत सूची" शीषक परियोजना के तहत 770 पांडुर्लिपयां को डिजिटीकृत किया गया है।

iii. "दक्षिण भारत, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से चिकित्सा पांडुर्लिपयां का संग्रहण और डिजिटाइज़ेशन (2008-2012)" शीषक परियोजना के तहत 2703 पांडुर्लिपयां को डिजिटीकृत किया गया है।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

*****